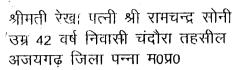
गान्नीय सदस्य महोदय राजस्व मण्डल ग्वालियर (म०प्र०)

राजस्व पुनरीक्षण क्रमांक

/2017

R827- I-17



.....अवेदक / निगरानीकर्ता



रामशरण पिता श्री रामलाल अहिरवार उम्र 56 वर्ष निवासी ग्राम चंदौरा तहसील अजयगढ़ जिला पन्ना म0प्र0

......अनावेदक / निगरानीग्रहिता

EURIUP ES

पुनरीक्षण (निगरानी) अन्तर्गत धारा 50(1) म0प्र0भू—राजस्व सहिता 1959 विरुद्ध राजस्व प्र0क्रं0 37/अपील/ए 6 ए / 2015—16 श्रीमान् अनुविभागीय अधिकारी महोदय अजयगढ़ द्वारा तहसीलदार अजयगढ़ के एकपक्षीय रिकार्ड सुधार आदेश दिनांक 24.02.2016 के विरुद्ध प्रस्तुत उपरोक्त अपील धारा 05 परिसीमा अधिनियम के अन्तर्गत दिनांक 31.01.2017 द्वारा समय—सीमा में अग्राह की गई।

धारा आज दि 7 - 3 र जान्योर,

प्रस्तुत

् आवेदक / निगरानीकर्ता कि निम्न निवेदन है:--

-:: निगरानी के संक्षिप्त तथ्य ::-

अनावेदक रामशरण द्वारा एक आवेदन तहसीलदार अजयगढ़ को रिकार्ड सुधार हेतु प्रस्तुत कर यह अभ्यावेदना की गई कि ग्राम चन्दौरा स्थित आराजी नं० 99/1 रकवा 0. \$95हे० उसके पिता रामलाल पिता टिढ़ी चमार निवासी चन्दौरा के नाम पर दिनांक 24.12. शि जिसे उसने अपने श्रम, धन से काबिल कास्त बनाया था। पुराने आराजी नं० 99/1 से नवीन आराजी नं० 112, 113 बनाये गये थे, जो अनावेदिका रेखा के ससुर वैजनाथ के नाम है जिन्होने दिनांक 24.06.2008 को अपनी बहू श्रीमती रेखा के नाम अवैध बिक्री कर दिया है। जिस पर अनावेदक का कोई हक कब्जा नहीं रहा है।

अनावेदक ने उपरोक्त आराजी नं0 112, 113 पर स्वत्व घोषणा हेतु व्यवहार वाद क्रं0 34ए/02 बैजनाथ बनाम् पंचू वगैरह पेश किया था जिसमें न्यायालय ने दावा प्रमाणित न

रखायांनी

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर आवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक निगरानी 827-एक / 2017

जिला पन्ना

रेखा

विरुद्ध

रामशरण

		·
स्थान तथा	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिमाषकों आदि
दिनांक		के हस्ताक्षर
61 -4-2017	आवेदक के विद्वान अभिभाषक द्वारा ग्राह्यता पर	
	प्रस्तुत तर्को पर विचार किया। आवेदक द्वारा यह निगरानी	
	अनुविभागीय अधिकारी अजयगढ़ जिला पन्ना के प्र0 कं0	•
	37/अपील/अ6अ/2015—16 में पारित आदेश दिनांक	
+1 	24-2-2017 के विरूद्ध म0प्र0 भू-राजस्व संहिता 1959	
	(जिसे आगे केवल संहिता कहा जायेगा) की धारा 50 के	
	अन्तर्गत प्रस्तुत की गई है।	
	2/ अनुविभागीय अधिकारी के प्रश्नाधीन आदेश की	
	सत्यापित प्रति के अवलोक से स्पष्ट है कि अनुविभागीय	
	अधिकारी ने आवेदक की अपील को म्याद के बाहर निरस्त	
*	किया है। कलेक्टर का आदेश अपील योग्य आदेश है,	
	परन्तु आवेदक द्वारा इस न्यायालय में निगरानी प्रस्तुत की	
	गई है। दर्शित परिस्थितियों यह निगरानी आधारहीन होने	
e de la companya de La companya de la co	से ग्राह्यता के स्तर पर निरस्त की जाती है। आवेदक चाहे	
	तो सक्षम न्यायालय में अपील प्रस्तुत करने के स्वंतत्र है।	
	पक्षकार सूचित हो। प्रकरण दाखिल रिकार्ड हो	
	(एस० एस० अली)	
n	सदस्य	
4.5		